मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

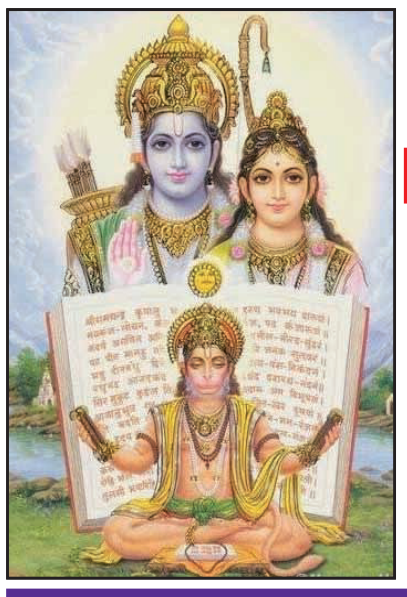

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

वर्ष : ०९ अंक :०९ मुंबई, ०७ दिसंबर से १३ दिसंबर २०१८ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

महाराष्ट्र की सरकार डी.पी. रोड को खोले तो ही होगी ट्रॉफिक समस्या खत्म – विद्या चव्हाण

ट्रॉफिक की वजह से प्रसव पीड़ा में तड़पी नगरसेविका

शहर की अपेक्षा स्लम क्षेत्र के रोड की ट्रॉफिक समस्या चरम सीमा पर - हरिहर यादव

दीनानाथ तिवारी

मुंबई । मुंबई की चकाचौंधी में रहने वाले मुंबई वासी की हर समस्या को खत्म करने के लिए महाराष्ट्र की सरकार तरह-तरह की योजना के माध्यम से समस्या खत्म करने में लगी है। मगर वहीं जब ट्रॉफिक की समस्या की बात आती है तो वह पूर्ण रूप से फेल नजर आती दिखाई पड़ रही है। जिसका सबसे बड़ा कारण है डी.पी. रोड!

महाराष्ट्र की सरकार को सबसे पहले डी.पी. रोड खोलनी चाहिए,डी.पी. रोड पर बसे लोगों को समझा-बुझाकर उन्हें अच्छे स्थानों पर शिफ्ट करना चाहिए, तो ही मुंबई के स्लम क्षेत्र के रोड की ट्रॉफिक समस्या खत्म हो सकती है, यह जानकारी मेट्रो दिनांक के संवाददाता की मुलाकात के दौरान वन विभाग में बसे झोपड़पट्टी वासियों की लड़ाई लड़ने वाली राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता आमदार विद्या चव्हाण ने कही है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि पहले डी.पी. रोड में आने वाले झोपड़ा यानी घर वालों को पहले घर दें। फिर उनके झोपडे-घर को तोड़े। क्योंकि मुझे मालूम है, पहले शासन प्रशासन के लोग शिफ्टिंग देने के नाम पर घर खाली कराते हैं और फिर तोड़ देते हैं और बाद में झोपड़ा धारक गरीब परिवार दर-दर भटकता है। इसी कारण से डी.पी. रोड के अगल-बगल बाधित रोड से भी शिफ्टिंग में जाने से लोग डरते हैं। उन्होंने आगे यह भी कहा कि महाराष्ट्र सरकार पूर्ण रूप से फेल नजर आ रही है। बड़े बड़े वादे करके सरकार में आयी, मगर मूलभूत सुविधा देने में सफल नहीं है।

जब पत्रकार ने आर.पी.आई. के उत्तर मुंबई जिला अध्यक्ष हरिहर यादव से पूछताछ किया तो उन्होंने कहा कि देश में भाजपा-शिवसेना - आरपीआई की सरकार है। देश में विकास की गंगा बह रही है, रही बात ट्रॉफिक की समस्या को लेकर तो यह बात सही है कि शहर के अपेक्षा स्लम के रोड पर ट्रॉफिक की समस्या चरम पर है, उदाहरण के तौर पर पठान वाडी, लक्ष्मण नगर, संजय नगर, शिवाजी नगर, गांधी नगर, दुर्गा नगर, अप्पा पाड़ा, क्रांती नगर, इत्यादि क्षेत्रों की डी.पी. रोड न खोलने से सुबह और शाम कई घंटों ट्रॉफिक जाम रहता है और ड्यूटी पर आने-जाने वालों को बहुत बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्लम क्षेत्र के रोड पर ट्रॉफिक की समस्या चरम सीमा पर बनी है, जिसकी वजह से आए दिन गाड़ी चालकों में मारपीट होती रहती है और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती है। जबसे महाराष्ट्र सरकार ने रिक्शा परमिट चालू किया है, तब से रोड के दोनों ओर गली कूचे जहां भी देखो सैकड़ों रिक्शा पार्किंग किए गए हैं और लोगों को आने जाने की समस्या तो थी ही इसके अलावा जो क्षेत्र में बीएसटी बसें चलती हैं, उसके ड्राईवर ट्रॉफिक की वजह से गाड़ी ठुक जाती है और मारपीट होती है। उपर्युक्त क्षेत्रों में कई घटनाएं घटने से कई पुलिस थाने में मामले दर्ज हैं। सरकार को चाहिए कि स्लम

एरिया में डी.पी. रोड जो हैं, उसको तत्काल खोला जाए, ताकि ट्रॉफिक की समस्या से निजात मिल सके।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र की नगरसेविका के पेट में बच्चा था, जब हॉस्पिटल के लिए घर से निकली, घंटों ट्रॉफिक जाम थी, मजबूर हो करके नगरसेविका के पति ने अपने कार्यकर्ताओं को बुलाकर बड़ी मेहनत और कोशिश के बाद अपनी धर्मपत्नी नगरसेविका को हॉस्पिटल तक पहुंचाया। आए दिन क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं घटती रहती हैं, कई मामलों में ट्रॉफिक की समस्या से रोड पर ही प्रसव हो चुका है।

पत्रकारिता का भी विकास आवश्यक

दशक पूर्ति समारोह संपन्न

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : मुंबई पत्रकार विकास संघ को अब अपने नाम में संशोधन करना चाहिए और अब इसे पत्रकारिता विकास संघ कहना चाहिए संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए वर्तमान पत्रकारिता पर विश्लेषणात्मक वक्तव्य वरिष्ठ पत्रकार नवनीत के संपादक विश्वनाथ सचदेव ने इन शब्दों में कहा है श्री सचदेव पत्रकार विकास संघ के दशक पूर्ति समारोह में समारोह के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे और बोल रहे थे शनिवार १ दिसंबर २०१८ को मलाड स्थित डीजे खेतान इंटरनेशनल स्कूल के सभागृह में पत्रकारों का सम्मान किया गया संघ के अध्यक्ष आनंद प्रकाश मिश्रा और महासचिव अजय सिंह द्वारा आयोजित टीवीएस दशक मूर्ति समारोह में एनडीटीवी के एसोसिएट एडिटर सुमित सिंह को पत्रकारिता में २५ वर्ष पूर्ण करने पर रजत जयंती सम्मान से नवाजा गया टीवीएस एक्सीलेंस आवाज से सुनील मल्होत्रा निलेश खरे विनोद यादव समी उल्ला खान मृत्युंजय सिंह चंदेल को सम्मानित किया गया जबकि सी वीएस यंग जूरी अवॉर्ड पत्रकार मनीष पाठक अमोल राउत मयंक भागवत योगेंद्र गुप्ता अरविंद आशुतोष नागेश सोहेल और सरताज मेहंदी को प्रदान किया गया समाजसेवी कन्हैया लाल सराफ तथा नेत्र विशेषज्ञ डॉ श्याम अग्रवाल को पत्रकार मित्र सम्मान से नवाजा गया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर मुंबई जिला के सांसद गोपाल शेट्टी महिला व बालकल्याण राज्य मंत्री विद्या जय प्रकाश ठाकुर संयुक्त पुलिस आयुक्त देवेंद्र भारती विधायक असलम से भाजपा नेता जय प्रकाश ठाकुर अमरजीत मिश्रा योगेश वर्मा संजय सिंह अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश प्रधान पुलिस उपायुक्त संग्राम सिंह निशांत दार पुलिस उपायुक्त डॉ विनय राठौर डालमिया कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ एन एन पांडे समाजसेवी गंगाराम जमुना नी द्वारा टीवीएस कैलेंडर राजेश विक्रांत द्वारा संपादित पत्रिका पीवीएस दर्पण और अमिताभ आलम द्वारा संपादित मीडिया डायरेक्टरी पत्रकारिता कोश के २०१८ में अंक का विमोचन भी किया गया विख्यात कवि महेश दुबे गीतकार रासबिहारी पांडे कभी अमर त्रिपाठी शायर युसूफ राणा ने काव्य पाठ किया संचालन वरिष्ठ पत्रकार कवि अभय मिश्रा ने किया कार्यक्रम का समापन कुमारी और संतोषी मिश्रा मराठे की बांसुरी पर राष्ट्रगान से संपन्न हुआ।

कांदिवली पश्चिम स्थित बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल परिसर में

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की आदमकद मूर्ति एवं गुंबद का अनावरण

उ.प्रदेश राज्यपाल राम नाईक के करकमलों से अनावरण

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : उत्तर मुंबई भारतीय जनता पार्टी की तरफ कांदिवली पश्चिम स्थित डा बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल परिसर में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की आदमकद मूर्ति एवं गुंबद का उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल राम नाईक के करकमलों से अनावरण संपन्न हुआ. कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन और बाबासाहब कि प्रतिमा को पुष्पांजली अर्पित कर किया गया. उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईकजी के शुभ हाथों सांसद गोपाल शेट्टी को निला साफा पहनाकर गौरवान्वित किया गया. इस समय हिंदी विवेक मैगजीन का अनावरण राम नाईक के हाथों संपन्न हुआ. सुपरिचित मराठी गीत गायक नंदेश उमप द्वारा डॉ. बाबासाहब आंबेडकर पर आधारित गीत पेश किया गया. सांसद गोपाल शेट्टीजी ने कहा, 'कांदिवली पश्चिम में डॉ. बाबा साहेब के नाम पर मुंबई महानगर पालिका का एक बहुत बड़ा अस्पताल है. बहुत बड़ा अस्पताल होने के बावजूद इसके परिसर में डा. बाबा साहेब का कोई यथोचित स्मारक नहीं था. डा बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल परिसर में उनकी प्रतिमा निर्माण करने कि मैने प्रतिज्ञा ली. डा बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल परिसर में मरीजों के रिश्तेदारों के लिए बैठकर खाना खाने के लिए कोई जगह न होने के कारण वे इधर उधर खड़े होकर ही खाना खाने को मजबूर रहते हैं. पर अब यहाँ पर श्री भव्य गुम्बद के निर्माण से डा.बाबासाहेब की क्षत्रछाया में कोई १०० लोग एक साथ सुखपूर्वक बैठकर खाना खा सकते हैं. भविष्य में पंचशील प्रतिष्ठान कि ओर से मरीजों को नि: शुल्क दवाईया मुहय्या कराने कि मेरी मंशा है. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का सपना हकीकत में साकार करने का महान कार्य भाजप सांसद भवन में डॉ. बाबासाहेब कि तस्वीर लगाई गयी. १९७८ में जब मैं सांसद था तब मेरी मुलाकात सांसद गोपाल शेट्टी से हुई.

(शेष पृष्ठ ४ पर)

कांदिवली में खुशी सोनी ब्यूटी पार्लर क्लासेस का भव्य उद्घाटन संपन्न

उद्घाटन के बाद हुआ सत्यनारायण महापूजा भारी संख्या में उपस्थित होकर लोगों ने किया श्री सत्यनारायण भगवान का प्रसाद ग्रहण

सआयोजक टुन्ना मंडल ने किया अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल देकर स्वागत

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : कांदिवली पूर्व रोड नंबर ३ अकुर्ली रोड दूसरा माला कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी मैं पिछले दिनों खुशी सोनी ब्यूटी पार्लर क्लासेस का उद्घाटन मेट्रो दिनांक के संपादक दीनानाथ तिवारी के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। उस समय स्थानीय रही वासियों के अलावा मुंबई के कोने-कोने से भारी संख्या में लोग उपस्थित थे उद्घाटन के बाद श्री सत्यनारायण भगवान का महापूजा का आयोजन किया गया था, जिसमें भारी संख्या में लोग उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किए। उसके बाद आयोजक द्वारा आए हुए अतिथियों को जलपान कराते हुए सभी को शॉल श्रीफल पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। आए हुए अतिथियों ने खुशी सोनी ब्यूटी पार्लर क्लासेस की ब्यूटीशियन टीचर सोनी मैडम को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर मेट्रो दिनांक के संवाददाता ने क्लासेस के बारे में जानकारी चाही तो उन्होंने अपने खुले शब्दों में खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज हमारे देश की महिलाएं कहां से कहां पहुंच चुकी हैं और हम आज यही सोच कर ब्यूटी पार्लर क्लासेस खोल रही हूं कि इसके माध्यम से हमारी बहनों को एक अच्छी शिक्षा भी मिलेगी और रोजगार भी मिलेगा। इसमें अगर मर्यादा से काम करेंगे तो अपने परिवार का पूरा निर्वाह हो सकता है। कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह एक ऐसी कला है, जिसके माध्यम से लोगों की सुंदरता बाहर और समाज में निखर कर आती है, जो हर कोई व्यक्ति को पसंद आता है। तो मैं आपको पहले यह भी बता देना चाहती हूं कि यह हमारा क्लासेस केवल महिलाओं के लिए है। हमने इसका समय सुबह ११:०० बजे से रात ९.०० बजे तक रखा है, इसके लिए हमने नाम मात्र का शुल्क रखा है क्योंकि फ्री काम की कोई कीमत नहीं होती है। लोग उस पर ध्यान नहीं देते हैं, ना अभिभावक ना ही सीखने वाली छात्राएं। इसलिए मैंने शुल्क लेने की जानकारी दी है और मुझे पूरा विश्वास है कि हम अपने इस कार्य में जरूर सफल होंगे। इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवक मनोज चौधरी, सुरेश चौधरी, लल्लन भगत, गुड्डू सिंह, अशोक सिंह, भक्ति रावत, सुनील सिंह, श्रीनाथ, रिंकी, ममता, निशा, प्रिया, जान्हवी,पूनम के अलावा भारी संख्या में स्थानीय लोग समाजसेवक राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

ठोस बदलाव हो

निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से स्थापित विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसइजेड) की संरचना में फेरबदल की कोशिशें हो रही हैं. सुधार के सुझावों के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने जून में एक समिति बनायी थी. विश्व व्यापार संगठन के नियमों के कारण एसइजेड में बदलाव जरूरी हो गया है. अमेरिका ने

भारत पर आरोप लगाया है कि वह निर्यात के लिए अनुदान दे रहा है, जो इस बहुपक्षीय मंच के समझौतों के अनुरूप नहीं है. विश्व व्यापार संगठन के नियम किसी देश को अपने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अधिक अनुदानों की मनाही करते हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी रहे. इस समिति की रिपोर्ट पर अब वाणिज्य और वित्त मंत्रालयों को विचार करना है. मुख्य सुझावों में एसइजेड की प्राथमिकता को निर्यात से हटाकर रोजगार बनाना है. लेकिन, एसइजेड में सुधार के इस प्रयास में यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या इसके उद्देश्य पूरे हो सके हैं और यह भी कि इसकी कार्यप्रणाली में किन सुधारों की जरूरत है. चीन के उत्पादन और निर्यात मॉडल की सफलता से प्रेरित होकर एसइजेड की स्थापना हुई थी, परंतु यह इरादा फलीभूत नहीं हो सका. हाल में अमेरिका के प्रिंसटन विश्वविद्यालय के मीर एलकोन ने एक शोध में बताया है कि सरकार से कई तरह के संरक्षण प्राप्त विशेष आर्थिक क्षेत्र भ्रष्टाचार और घोटालों से ग्रस्त हैं. उन्होंने बताया है कि इन क्षेत्रों के चुनाव विकास की अधिकतम संभावनाओं को देखकर करने के बजाय तात्कालिक स्वार्थों के आधार पर किये गये हैं.

इसमें स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की ज्यादा भूमिका रही है. चीन में स्थानीय नेताओं की प्रोन्नति का एक बड़ा आधार उनके इलाकों में उत्पादन और विकास होता है. इस कारण वे अपने क्षेत्र पर अधिक ध्यान देते हैं, लेकिन भारत में एसइजेड के मामले में शासन-प्रशासन में शामिल लोगों का मुख्य ध्यान रियल इस्टेट के कारोबार पर रहा है. ऐसे में यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि एसइजेड के लिए मंजूर करीब आधा इलाका खाली पड़ा हुआ है. जुलाई में वाणिज्य मंत्रालय की ओर से संसद को जानकारी दी गयी थी कि अगस्त, २०१७ तक ३७३ एसइजेड के लिए तय ४५,७११.६४ हेक्टेयर में से २३,७७९.१९ हेक्टेयर जमीन बिना उपयोग के पड़ी हुई है. इनमें से अधिकांश निजी क्षेत्र और राज्य सरकारों के उपक्रमों की जमीन है. साल २०१४ में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में बताया गया था कि विशेष आर्थिक क्षेत्रों से रोजगार, निवेश और निर्यात को लेकर जो संभावना जतायी गयी थी, वह ज्यादा थीं. यह बात शुरुआती पांच-छह साल के प्रदर्शन के आधार पर कही गयी थी, पर आज भी यह उतनी ही सच है. हालांकि, सरकार का दावा है कि बाद में स्थिति बेहतर हुई है. साल २०१७-१८ में एसइजेड से ५.८१ लाख करोड़ का निर्यात हुआ था, जबकि २०१६-१७ में यह आंकड़ा ५.२३ लाख करोड़ था. एसइजेड कानून बने १३ साल बीत गये हैं. ऐसे में गंभीर समीक्षा पर आधारित ठोस बदलाव अपेक्षित हैं.

अंग्रेजी की अनिवार्यता के कारण छात्र ने की आत्महत्या.....आखिर क्यों ?

- डॉ. अर्चना दूबे

बहुत ही दुःखद घटना ; हिंदी भाषी होने के कारण और अंग्रेजी भाषा की कमी के कारण अपने जीवन का सौदागर हो जाना, अपनी मातृ भाषा का तो घोर अपमान है । लोगों को यह बात क्यों नहीं समझ में आ रही है कि अंग्रेजीभाषा के बिना भी, अपनी मातृ भाषा से भी बहुत कुछ किया जा सकता है । सरकारको इस मुद्दे पर कुछ तो करना ही चाहिए । कितनी शर्मनाक पूर्ण बात है कि हम अपनी भाषा में ही शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते है। इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के भाषा प्रौद्दोगिकी इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष के छात्र शुभम मालवीय अंग्रेजी न जानने के कारण आये दिन विद्द्यालय में होने वाले अपमान के कारण फाँसी लगाकर की गयी आत्महत्या समूचे हिंदीभाषी हिंदूस्तान के मुँह पर तमाचा है । आत्महत्या करने के बारे में वह अपने माता –पिता को लिखें है कि---'मम्मी- पापा मुझे माफ कर देना । आप मुझे पढ़ाना चाहते थे, लेकिन मुझे अंग्रेजी नहीं आती है । इसलिए मैं ठीक से नहीं पढ़ पा रहा हूँ ।'

शुभम ने अपनी स्कूली शिक्षा हिंदी माध्यम से की थी । अंग्रेजी से कम आँकने पर विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में हिंदी जैसी अन्य भारतीय भाषाओं के साथ अन्याय और अत्याचार हो रहा है । हम यह नहीं समझ पा रहे है कि अंग्रेजी की अनिवार्यता के कारण बच्चों को आधा – अधूरा ही ज्ञान मिल पाता है, समस्या यहांपर यह होती है कि अंग्रेजी में वे अपनी प्रतिभा निखार नहीं पाते । जिसके कारण उन्हें प्रगति और उन्नति के राह को अपनापाना बौध्दिक दृष्टी से एक मृग – मरीचिका में अपना जीवन जीना पड़ रहा है ।

हर साल ही कई छात्र अंग्रेजी की बलिवेदी पर ऐसे ही शहीद होते है । लेकिन हिंदी के शिक्षाविदों, राजनेताओं व मठाधीशों का इन बातों पर जरा सा भी ध्यान नहीं है । बहुत से ऐसे छात्र है जो हिंदी माध्यम से पढ़ने के कारण, अंग्रेजी में कमजोरी के कारण थोड़ा – थोड़ा मरते है, रोज उनका आत्म – सम्मान, आत्म – विश्वास को टुकड़ा – टुकड़ा किया जाता है ।

अच्छी नौकरी और रोजगार, समाज में ऊँचा स्थान पाने के लिए अब तो अंग्रेजी का ज्ञान होना अनिवार्य हो गया है । यही है भारतीय भाषाओं की त्रासदी कि आजादी के ७० साल बीतने के बाद भी हिंदी भाषा को कोई बर्चस्व अभी तक नहीं मिल पाया है । वास्तव में यह विडंवना ही है कि हमारे देश में जितनी भाषाएं बोली जाती है, उतनी भाषाएं दुसरे देशों में नहीं बोली जाती । तब पर भी हिंदी भाषा का अपने देश में ही अपमान हो रहा है ।

उच्चशिक्षा का ज्ञान उच्च वर्ग तक ही सिमट कर रह गया है । भगतसिंह ने कहा था कि....'क्रांति की तलवार विचारों की शान पर चलती है । .. और साथियों मौलिक विचार अपने परिवेश की बोली भाषा में ही प्रतिष्फुटित होती है ।' बच्चा हो या बड़ा, हर एक अपने परिवेश के बोली में ही अपने आप को सहजता से अभिव्यक्त कर पाता है ।

अंग्रेजी जैसीगैर परिवेश की भाषा में तो बस हम रटी – रटाई बातों को ही कह सकते है । मौलिक चिंतन नहीं कर सकते है । जन भाषाओं में ही जन – जागृति सम्भव है । आखिर क्यों ? भारत की शिक्षा व्यवस्था की सारी ऊर्जा अंग्रेजी माध्यम की व्यवस्था को बनाने में ही क्यों लगा दिया ? जब तक शासन – प्रशासन और न्याय की भाषा सर्वहारा – गरीब – जन की भाषा नहीं होगी, तब तक यह व्यवस्था सर्वहारा – गरीब – जन का यु ही दमन करती रहेगी मेरा सुझाव है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम में शिक्षा के माध्यम का अधिकार भी छात्र को दिया जाना चाहिए । यदि वे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने में समस्याओं से जूझ रहे है तो उन्हें यह अधिकार होना चाहिए कि वह हिंदी अथवा अपनी मातृ भाषा में शिक्षा प्राप्त कर सकें ।

सरकार से हम सब इस बात की मांग रखना चाहते है कि अब और किसी बच्चे को शुभम की राह न अपनाना पड़ें । अंग्रेजी के साथ – साथ हिंदी भाषा का भी अपना अधिकार मिलना ही चाहिए । ताकी हर माता पिता को बार – बार अपना लाल (शुभम) न खोना पड़ें । अंग्रेजी के कमजोरी के कारण आज शुभम हमारे बीच नहीं रहा । कल किसी और बच्चें को भाषा से अपमानित होकर आत्महत्या का रास्ता न चुनना पड़ें ।

क्या हमारी हिंदी भाषा, मातृभाषा इतनी कमजोर पड़ गयी है कि हमें अपमानित होकर आत्महत्या करनी पडें । आज शुभम के हालात से दुःखी होकर पता नही कितनों को और इस राह से गुजरना होगा । और हिंदी भाषा का प्रचार – प्रसार बंद कमरों में बुलंदी पा रही है । तमाम संगोष्ठीयों में उच्च पदाधिकारी लोग बड़े – बड़ें वादे करके जताते है कि हम हिंदी भाषा का हक दिलवायेंगे । लेकिन परिणाम आज यह है कि आये दिन समाचार पत्रों द्वारा शुभम जैसे समाचार पढ़ने को मिल ही जाते है ।

इसलिए सभी पालकों से, अविभावकों से मेरा निवेदन है कि वे देश की भाषा में उच्च शिक्षा की उपलब्धता की माँग को प्रभावी ढ़ंग से उठाएं ।

फेफड़े में अटकी पिन, आना पड़ा गोवा टू मुंबई

मुंबई : महिलाएं अक्सर सिलाई और सजने संवारने के दौरान पिन या सुई अपने मुंह में रख लेती हैं। नतीजतन गलती से पिन भीतर चली जाती है फिर फजीहत शुरू। ऐसा ही हुआ गोवा की निवासी रुबीना शेख (बदला हुआ नाम) के साथ स्कार्फ पहनते वक्त मुंह में रखी पिन गलती से उसने निगल ली। गोवा में पिन निकालने में नाकामयाब होने के बाद उसे गोवा टू मुंबई लाया गया जहां, एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने फेफड़े में अटकी पिन को निकाला।

बता दें कि २१ नवंबर को गोवा में १८ वर्षीय रुबीना ने स्कार्फ पहनते समय मुंह में रखी पिन को गलती से निगल लिया। उसे तुरंत गोवा के मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां एक्सरे में पिन उसके फेफड़े के बाए साइड

अटकी दिखी। डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी द्वारा पिन को निकालने की कोशिश की लेकिन वे असफल रहे। इसके बाद पीड़िता को अन्य ३ मेडिकल कॉलेज और २ अस्पताल में भी ले जाया गया, पर एंडोस्कोपी के माध्यम से फेफड़ों में फंसे पिन को हटाने में सभी डॉक्टर नाकाम रहे। गोवा के एक डॉक्टर ने लड़की के परिवार को शल्य चिकित्सा का विकल्प दिया लेकिन परिवार ने इससे इंकार दिया। परिवार ने सुश्री शेख को इलाज के लिए मुंबई लाने की ठानी और झेन अस्पताल पहुंचे। झेन मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अरविंद काटे ने कहा, 'रोगी के एक्स-रे रिपोर्ट के मुताबिक उसके फेफड़ों में एक नुकीली पिन दिखाई दे रही थी। इस पिन को जल्द से जल्द निकालना बहुत जरूरी था वरना यह लड़की के दिल और फेफड़ों की महत्वपूर्ण रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुंच सकती थी। इसके अलावा पिन ६ दिनों से शरीर के अंदर होने की वजह से संक्रमण का भी खतरा था। डॉ. काटे ने कहा 'यह बहुत ही जटिल स्थिति थी कि ओपन सर्जरी की जाए या अन्य इनवेसिव शस्त्र क्रिया, चूंकि एंडोस्कोपी के माध्यम से इसे हटाते समय पिन के टूटने का खतरा था। ब्रोकोस्कोपी द्वारा किसी भी नुकीली चीज को हटाने में मुश्किल होती है, खासकर जब वह फेफड़ों के अंदरुनी भाग में धंसी हो। इस केस में, पिन को फोरसेप की मदद से और फ्लेक्सिबल बोकोस्कोप द्वारा ३.५ सेमी पिन को निकाला गया। प्रक्रिया के बाद दोबारा छाती का एक्स-रे निकाला गया और जो कि बिल्कुल सही था।

१०६४ रुपए में बिकी ७५० किलो प्याज! नाराज किसान ने पीएम को भेजे पैसे

मुंबई : देश में अनाज एवं फल सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं लेकिन अनाज, फल, सब्जियों को उगानेवाला किसान फिर भी बदहाल है। उन्हें उनकी मेहनत का समुचित लाभ नहीं मिल पाता है। कुछ ऐसा ही उदाहरण नासिक में देखने को मिला, जहां उचित दाम न मिलने के कारण एक किसान एक किलो प्याज डेढ़ रुपए से भी कम कीमत में बेचने को मजबूर हो गया। इससे आहत उक्त किसान ने ७५० किलो प्याज बेचने के बाद मिले १,०६४ रुपए प्रधानमंत्री को भेज कर उन्हें किसानों की दुर्दशा से अवगत कराने का प्रयास किया है। बता दें कि नासिक जिला स्थित निफाड तहसील निवासी संजय साठे उन कुछ चुनिंदा 'प्रगतिशील किसानों' में से एक हैं, जिन्हें केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा से २०१० में उनकी भारत यात्रा के दौरान संवाद के लिए चुना था। साठे ने रविवार को कहा, 'मैंने इस मौसम में ७५० किलोग्राम प्याज उपजाई लेकिन गत सप्ताह निफाड थोक बाजार में एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर की पेशकश की गई। मैंने १.४० रुपए प्रति किलोग्राम का सौदा तय किया और मुझे ७५० किलोग्राम के लिए १,०६४ रुपए मिले।' उन्होंने कहा, 'चार महीने के परिश्रम की मामूली कीमत प्राप्त होना दुखद है इसलिए मैंने १,०६४ रुपए पीएमओ के आपदा राहत कोष में दान कर दिए। मुझे वह राशि मनीऑर्डर से भेजने के लिए ५४ रुपए अलग से देने पड़े। मनीऑर्डर २९ नवंबर को भारतीय डाक के निफाड कार्यालय से भेजा गया, वह 'नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री-हिंदुस्थान' के नाम प्रेषित किया गया।

मेमोरी खल्लास! रोज ३४ मरीजों में हो रहा है याददाश्त का लोचा

मुंबई : क्या आपकी स्मरण शक्ति कमजोर होती जा रही है? आपको सोचने में कठनाई आ रही है? आपका दिमाग समस्याओं को नहीं सुलझा पा रहा है? क्या उक्त समस्या के कारण आपके दैनिक कार्यों पर असर पड़ रहा है? यदि आपके साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है तो सावधान हो जाइए आप डिमेंशिया सिंड्रोम यानी स्मृतिभ्रंश (रोग में अनेक लक्षणों का एक साथ होना) से जूझ रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्या को ध्यान में रखकर राज्य के ३० जिलों में मेमोरी क्लिनिक की शुरुआत की गई। आपको जानकर हैरानी होगी कि महज ३० दिन में २८ जिलों की क्लिनिक में रोजाना आ रहे लोगों में से औसतन ३४ लोगों में याददाश्त का लोचा हो रहा है। डॉक्टरों द्वारा जांच में इस बात की पुष्टि हुई है कि रोजना ३४ लोगों की मेमोरी खल्लास हो रही है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र मेंटल हेल्थ बोर्ड पूर्व उपनिदेशक व थाने मेन्टल हॉस्पिटल के पूर्व सुपरिटेंडेंट डॉ. संजय कुमावत ने बताया कि 'चिंता का विषय यह है कि खासकर वृद्धों में होनेवाली स्मृतिभ्रंश की समस्या अब वयस्कों में भी हो रही है। इसके कई कारण हैं जैसे नशा शराब का सेवन, धूम्रपान, तनाव, पौष्टिक आहार की कमी व अनियमित जीवनशैली जिससे यह समस्या बढ़ापे में उत्पन्न होने के बजाय अब कम उम्र के लोगों में बढ़ रही है।

स्मृतिभ्रंश एक ऐसी बीमारी है जिससे मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन का निर्माण होने लगता है जो कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें नष्ट कर देता है, जिसे कह सकते हैं कि भेजे के प्रोटीन ने परेशान कर दिया है।

बता दें कि २ अक्टूबर २०१८ से ३० जिलों में मेमोरी क्लिनिक की शुरुआत की गई। जिसमें मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक, ठाणे, जलगाव, सातारा, सांगली, नगर, अमरावती, नांदेड, बीड, सोलापुर, सिंधुदुर्ग और लातूर का भी समावेश है। इस संदर्भ में राज्य स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) के निदेशक डॉ. संजीव कांबले ने बताया कि मेमोरी क्लिनिक के शुरू होने के बाद हजारों लोगों ने अपनी जांच करवाई। ३० में से २८ जिलों में ३० दिन में १ हजार २८ लोगों में स्मृतिभ्रंश की बीमारी होने की बात सामने आई। इन सभी मरीजों का इलाज किया जा रहा है। डॉ. संजय ने बताया कि स्मृतिभ्रंश कई प्रकार की होती है। जिसमें से एक रिवर्सेबल और दूसरा इररिवर्सिबल है। कुछ रोग इलाज से ठीक हो सकते हैं व्यक्ति स्वस्थ हो जाता है और उसके डिमेंशिया के लक्षण पूरी तरह से चले जाते हैं। इसे रिवर्सिबल डिमेंशिया कहते है। बाकी रोग (जिनके कारण डिमेंशिया होता है) लाइलाज हैं। इन्हें इररिवर्सबिल डिमेंशिया कहते हैं। इलाज से इनमें से कुछ रोगों के प्रकट लक्षण तो कम हो सकते हैं, पर रोग मूल रूप से ठीक नहीं हो पाता क्योंकि मस्तिष्क में एक ऐसे प्रोटीन का निर्माण होता है जो अच्छी कोशिकाओं पर ही हमला कर देते हैं। ऐसे में जो हानि हो चुकी है उसे दवाई से ठीक नहीं किया जा सकता है और दवाई का फोकस होता है प्रकट लक्षणों को कम करना और आगे मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट होने बचाना।

किराए पर दे दिया खेल का मैदान

भाईंदर' मीरा-भाइंदर में सीएम चषक स्पर्धा होने से पहले ही विवादों में घिर गई है। मनपा प्रशासन सत्ताधारी भाजपा के सामने नतमस्तक होते हुए विवादित सुभाष चंद्र मैदान को खेल कार्यक्रम के लिए लगभग एक महीने के लिए किराए पर देकर आकाओं को खुश करने की कोशिश की है। मैदान में बच्चों के खेलने का आदेश तो है लेकिन मैदान को किराए पर नहीं देने का स्पष्ट निर्देश प्रशासन ने पहले ही दे रखा है। ज्ञात हो कि भाइंदर-पश्चिम के विवादित सुभाष चंद्र मैदान का निर्माण विवादित है। मैंग्रोव्ज कटिंग कर सीआरजेड की जमीन में जबरदस्ती कचरा व मिट्टी भरकर बनाए गए मैदान के कारण संबंधित मनपा अधिकारी और ठेकेदार पर पर्यावरण विभाग ने मामला दर्ज किया है। कानूनी पचड़े में पड़े इस मैदान को खेल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अलग-

अलग स्कूल, कॉलेज व संस्थाओं ने कई बार किराए पर लेने की कोशिश की लेकिन मनपा प्रशासन ने हर बार उन संस्थाओं को मैदान किराए पर देने से मना कर दिया लेकिन दिसंबर महीने में आयोजित सीएम चषक स्पर्धा के लिए मनपा प्रशासन ने मैदान को लगभग एक महीने के लिए किराए पर दे दिया है। मैदान को किराए पर लेने के लिए मीरा-भाइंदर के भाजपा जिलाध्यक्ष और महापौर ने २७ नवंबर को मनपा को अर्जी देकर मैदान को किराए पर देने की मांग की थी, जिस पर मनपा प्रशासन ने २३ दिनों के लिए मैदान को किराए पर दे दिया। गौरतलब है कि इस मैदान पर शहर के हजारों लोग प्रतिदिन खेलकूद व जॉगिंग करते हैं। अब इन लोगों का एक महीने तक मैदान पर खेलना-कूदना नहीं हो पाएगा, इससे नाराज लोगों में स्पष्ट नाराजगी देखी जा रही है। इस मामले में मनपा आयुक्त बालाजी खतगावकर का कहना है कि चूंकि मैदान खेलने के लिए है इसलिए हमने ठाणे जिलाधिकारी से मीटिंग कर कार्यक्रम का आयोजन करने का परमिशन दिया है।

मुंबई में १८ हजार इमारतें अवैध

मुंबई : अवैध निर्माण के लिए उल्हासनगर मीरा-भाइंदर आदि महापालिका बदनाम हैं परंतु मुंबई जैसी महानगरपालिका में १८,२८३ इमारतें अवैध हैं। यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वीकार की है। मुंबई की अवैध इमारतों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने स्वीकार किया है कि मुंबई में १८,२८३ इमारतें अवैध हैं। इन इमारतों को मुंबई महानगरपालिका की तरफ से नोटिस भेजा गया है। ९३७ इमारतों के अवैध भागों को निकाल दिया गया है। ४,३४७ अवैध इमारतों को मनपा ने तोड़ डाला है। १२,९९९ अवैध इमारतों को कानूनी तरीके से तोड़ा जाएगा। मुंबई में शीशे की बन रही इमारतों में अग्निसुरक्षा उपाय योजना तैयार करने के लिए मुंबई महानगरपालिका की ओर से परिपत्रक निकाला गया है, ऐसा मुख्यमंत्री ने बताया।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर,इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो.
९८२१२८७९०५,
९३२२२४८३५३-
९१६७००९६२९
Email :
metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP
5 Year - 1000 Life time - 3000
Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक-** कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक-** शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक-** वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट-** निलेश पांडे **वितरक-**सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280,
मो. 9821287905, 9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

बीएमसी अस्पतालों में इंजेक्शन भी नहीं चार सदस्यीय जांच समिति 15दिन में बताएगी कमी की वजह

मुंबईः इन दिनों बीएमसी के अस्पताल दवाइयों सहित इंजेक्शन की कमी से गुजर रहे हैं। उधर, दवाओं की कमी की शिकायतों के बीच बीएमसी ने ४ सदस्यीय समिति गठित की है। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी बांद्रा स्थित भाभा अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां कई कमियां पाई गईं।

कई इंजेक्शन उपलब्ध नहीं

बीएमसी अस्पतालों के मरीजों को दवाइयों के अलावा कई तरह के इंजेक्शन बाहर से खरीदने पड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, मधुमेह के लिए इस्तेमाल होने वाली मेटफॉर्मिन दवा नायर अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। वहीं, दिल की बीमारी में लगने वाले इंजेक्शन एडरनलिन सहित १५ तरह के इंजेक्शन यहां नहीं हैं। नायर के अलावा, केईएम में भी दवाओं और इंजेक्शनों की भारी कमी है। प्रसूति गृह में भी कई तरह के इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। भांडुप स्थित प्रसूति गृह में हाइड्रोक्लॉटिजन सहित डिलिवरी के दौरान इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन की कमी है। प्रसूति गृह से मिली जानकारी के अनुसार, इंजेक्शन नहीं होने के कारण मरीज को बाहर से इंजेक्शन खरीदने के लिए बोला जाता है। सूत्रों के अनुसार, इंजेक्शन आपूर्ति करने वाली कंपनी की ओर से ही दिक्कत हो रही है, जिससे यह समस्या है। सायन अस्पताल के बाद बांद्रा के भाभा अस्पताल का निरीक्षण करने आम आदमी पार्टी (आप) की टीम पहुंची। निरीक्षण में डॉक्टरों, स्टाफ की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की बात सामने आई। दवाओं की कमी भी मरीजों की दिक्कत बढ़ा रही है। आप के महाराष्ट्र संयोजक ब्रिगेडियर सुधीर सावंत ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. प्रदीप जाधव से इस मसले को तत्काल हल करने का आग्रह किया। आप की टीम के मुताबिक, अस्पताल में ४३६ बेड, २०० डॉक्टर और १९६ नर्स और २१ इंचार्ज हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के १० से १५ पद भरे जाने बाकी हैं, लेकिन मरीजों की संख्या देखते हुए यह नाकाफी हैं। अस्पताल में डॉक्टर और अन्य स्टाफ के ८१६ पद भरे जाने बाकी होने की भी जानकारी प्रशासन ने दी। आप के सदस्य अमोल जाधव ने कहा कि दवाओं की कमी के चलते मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

दवाओं की कमी पर समिति गठित

बीएमसी अस्पतालों में दवाओं की कमी पता करने के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई गई है। कुर्ला भाभा के अधीक्षक डॉ. कृष्णकुमार पिंपले की अध्यक्षता में बनी यह समिति १५ दिन में विस्तृत रिपोर्ट देगी। जांच में यदि आपूर्ति में दिक्कत पाई गई, तो ठेकेदार पर निर्णय किया जाएगा। यदि समय पर दवाएं आपूर्ति की जा रही हैं, तो यह जानने की कोशिश होगी कि दवाएं इतनी जल्दी खत्म क्यों हो रही हैं/ इस दौरान कितने मरीज अतिरिक्त बढ़े हैं/ समिति में सायन अस्पताल की डेप्युटी डीन डॉ. बोरसे, केईएम के डॉ. प्रवीण बांगर समेत एक अन्य सदस्य शामिल हैं। गौरतलब है कि बीएमसी अस्पतालों में दवाओं की कमी से जुड़े संभावित गोरखधंधे पर एनबीटी ने रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसके बाद बीएमसी कमिश्नर ने रिपोर्ट मांगी थी।

पांचवीं क्लास की छात्रा से बाथरूम में छेड़छाड़, गार्ड गिरफ्तार

दिल्लीः दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में एक नामी पब्लिक स्कूल में पांचवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ और अश्लीलता की खबर है. स्कूल के गार्ड पर ही इस करतूत का आरोप लगा है. पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है. पुलिस आरोपी की उम्र को लेकरअसमंजस में है. आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है. स्कूल प्रशासन पर भी लापरवाही का आरोप लग रहा है क्योंकि

नाबालिग को नौकरी पर कैसे रखा गया, पुलिस इसकी भी जांच कर रही है.

घटना के दौरान आरोपी नाबालिग को मौके पर पकड़ लिया गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई. फिलहाल, पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है. जानकारी के मुताबिक, ११ साल की छात्रा परिवार के साथ उत्तम नगर में रहती है. बच्ची के पिता कार मैकेनिक का काम करते हैं.छात्रा पास के एक पब्लिक स्कूल में पांचवीं कक्षा की छात्रा है. बच्ची के पिता ने बताया कि वह दोपहर में बच्ची को स्कूल में लेने गए. तभी उनकी बेटी ने बताया कि गार्ड उसे दूसरे बाथरूम में ले गया. जहां उसने बच्ची के साथ अश्लील हरकत और छेड़छाड़ की. बच्ची ने शोर मचादिया. शोर सुनकर स्कूल के टीचर और अन्य लोग इकट्ठा हो गए और मामले की सूचना पुलिस को दी.

आरोपी शख्स नाबालिग बताया जा रहा है. पुलिस सूत्रों की मानें तो आरोपी की उम्र १६ से १७ के बीच है. पुलिस ने बच्ची के बयान पर केस दर्ज कर लिया है.

डेंगू का डंक-मरीजों के घर जाकर मारेंगे लार्वा

मुंबई : मॉनसून आते ही मच्छर जनित रोग डेंगू के डंस और मलेरिया से ग्रसित होनेवाले रोगियों की संख्या में इजाफा हो जाता है। मच्छरों से निपटने के लिए मनपा ने एक और एक्शन प्लान तैयार किया है। इस एक्शन प्लान के तहत मनपा अस्पतालों के ओपीडी में आनेवाले मरीजों में डेंगू कन्फर्म होते ही उनका पूरा एड्रेस और मोबाइल नंबर लिया जाएगा। इसके बाद मरीजों का डाटा वार्डों में भेजा जाएगा और फिर कीटनाशक विभाग के अधिकारी मरीज के घर जाकर जांच कर लार्वा नष्ट करेंगे।

पैरोल के लिए अब जांच एजेंसी की सिफारिश जरूरी

मुंबई : आईएएस दंपती की बेटी पल्लवी पुरकायस्थ की हत्या में शामिल जिस सज्जाद मुगल को पैरोल से फरारी केस में पिछले साल गिरफ्तार किया गया था, उसे नाशिक कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई है। मुगल को जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला में उसके गांव सलामाबाद में पकड़ने के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर संजय निकम ने कई महीने तक वहां डेरा डाला था। निकम ने मंगलवार को बताया कि नाशिक की कोर्ट ने उस पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पल्लवी पुरकायस्थ केस में मुंबई सेशन कोर्ट उसे आजीवन कारावास की सजा पहले ही सुना चुका है।

सज्जाद मुगल की पैरोल से फरारी के बाद सरकार ने कई सख्त फैसले लिए। अभी तक किसी वरिष्ठ आईएएस ऑफिसर के नेतृत्व में एक कमिटी सिफारिश करती थी कि किस कनविक्टेड आरोपी को पैरोल पर छोड़ा जाए या न जाए। बाद में जेल अधीक्षक इस सिफारिश पर अमल करता था। मुगल फरारी केस के बाद सरकार ने फैसला किया कि अब उस जांच एजेंसी से भी आरोपी के पैरोल को दिए जाने को लेकर उसकी राय मांगी जाएगी, जिस एजेंसी ने उसे गिरफ्तार किया था। यह भी फैसला किया गया कि मर्डर, रेप, टेरर जैसे केसों में दोषी आरोपी को असाधारण स्थितियों में ही पैरोल दी जाएगी। सज्जाद मुगल जब पैरोल की मियाद खत्म होने के बाद वापस जेल नहीं लौटा, तो संबंधित आईएएस अधिकारी की जांच हुई थी और नाशिक के जेल अधीक्षक को सस्पेंड कर दिया गया था। सज्जाद मुगल की फरारी ने मुंबई पुलिस के होश उड़ा दिए थे। वर्तमान डीजीपी दत्तात्रय पडसलगीकर और तत्कालीन क्राइम ब्रांच चीफ संजय सक्सेना ने इंस्पेक्टर संजय निकम को सज्जाद मुगल को पकड़ने का जिम्मा सौंपा। जब निकम ने यह मुश्किल काम कर दिखाया, तब दोनों आईपीएस अधिकारियों ने उनकी कामयाबी बताने के लिए देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। यहीं नहीं, पडसलगीकर इस साल २८ जून को संजय निकम के घर उन्हें उनके जन्म दिन की शुभकामनाए देने पहुंच गए। पडसलगीकर तब मुंबई सीपी की पोस्ट पर थे। इससे पहले किसी भी सीपी ने अपने इंस्पेक्टर को इस तरह प्रोत्साहित नहीं किया था। पल्लवी पुरकायस्थ की साल २०१२ में वडाला में उनके घर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद उनका मंगेतर बुरी तरह डिप्रेशन में चला गया था। बाद में उसकी भी मौत हो गई थी। सज्जाद मुगल को मर्डर के महज १२ घंटे के अंदर इंस्पेक्टर महेश तावडे ने मुंबई सेंट्रल से गिरफ्तार कर लिया था। उसके खिलाफ चार्जशीट दायर हुई, उस पर मुकदमा चला और फिर उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोषी करार दिए जाने के बाद उसे नाशिक जेल में रखा गया, पर जेल जाने के कुछ महीनों के अंदर वह ९० दिन के पैरोल पर बाहर आने में कामयाब हो गया था। सज्जाद मुगल को जेल फरारी केस में एक साल की सजा पल्लवी पुरकायस्थ केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है.

ओमी कालानी पर किडनैपिंग, उगाही का मामला दर्ज

कल्याणः उल्हासनगर का राजनीतिक तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा। एक व्यक्ति ने ओमी कालानी सहित आठ लोगों पर कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में हफ्ता मांगने और किडनैपिंग का मामला दर्ज कराया है। ओमी पूर्व बाहुबलि विधायक सुरेश (पप्पू) कालानी का बेटा है, उसकी मां ज्योति भी विधायक रह चुकी है। पिता, माता और बेटे के खिलाफ हत्या समेत सैंकड़ों मामले दर्ज हैं। ओमी की पत्नी पंचम फिलहाल उल्हासनगर की महापौर हैं।

कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में अनिल प्रेमचंद काजानी ने ओमी के साथ कमलेश निकम, संतोष पांडे, सुरेश लालवानी, नीलेश, सनी तेलकर, विक्की पंजाबी, विजय शिंदे पर ५० लाख रुपये हफ्ता मांगने और किडनैपिंग का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। अनिल काजानी की कल्याण पूर्व में गारमेंट की दुकान है। वह अहमदाबाद के निलेश के यहां से कपड़े लाता था।

मुंबई उच्च न्यायालय ने अपनी पत्नी को एक साथ तीन तलाक देने के आरोपी को दी अग्रिम जमानत

मुंबईः मुंबई उच्च न्यायालय ने अपनी पत्नी को एक साथ तीन तलाक देने के आरोपी को यह कहते हुए मंगलवार को अग्रिम जमानत (एबी) दे दी कि इस चरण में अदालत को कोई फैसला नहीं करना है। पालघर जिले के वसई निवासी इंतेखाब आलम मुंशी की अग्रिम जमानत याचिका को पालघर की सत्र अदालत ने २१ नवंबर को खारिज कर दिया था। इसके बाद उसने पिछले महीने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

सत्र अदालत ने इस आधार पर उसकी अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज की थी कि जांच अधिकारी को मुंशी को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने इस साल के शुरू में तलाक की जो कार्यवाही की, वह एक साथ तीन तलाक देने के समतुल्य है या नहीं। एक साथ तीन तलाक देने को कानून के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया है। बहरहाल, उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति पीडी नाईक की एकल पीठ ने मंगलवार को कहा कि अग्रिम जमानत पर इस चरण में अदालत को यह फैसला नहीं करना है कि मुंशी की तलाक की कार्यवाही एक साथ तीन देने के समान है या नहीं। मुंशी की याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति नाईक ने कहा कि 'यह वैवाहिक विवाद का मामला है। याचिकाकर्ता (मुंशी) को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस स्तर पर ज्यादातर जांच दस्तावेजी तथ्यों पर निर्भर होती है।' तुरंत तीन तलाक जिसे तलाक-ए-बिद्दत भी जाना जाता है में एक ही बार में एक मुस्लिम पुरुष तीन बार तलाक-तलाक बोलकर पत्नी को तलाक दे सकता है।

इसी सितंबर में केबिनेट ने एक अध्यादेश मंजूर किया जिसमें तुरंत तलाक पर रोक लगा दी। इस अध्यादेश के तहत तीन तलाक को गैरकानूनी और शून्य घोषित किया गया और ऐसा करने पर पति को तीन साल की जेल की सजा दी जा सकती है। इस मामले में दर्ज एफआईआर के अनुसार मुंशी ने अपनी पत्नी से १९९८ में शादी की थी। उसकी पत्नी २२ सितंबर को जब अपने माता-पिता के घर पर थी, मुंशी ने उन्हें तलाक का नोटिस भेजा। नोटिस पर मुंशी, उसके वकील और दो गवाहों के दस्तखत थे। इस नोटिस में कहा गया था कि उसे मेल-मिलाप की कोई गुंजाइश नहीं दिखती है, इसलिए वह शादी खत्म कर रहा है। उसकी पत्नी ने दावा किया कि नोटिस, एक साथ तीन तलाक देने या 'तलाक-ए-बिद्दत' के समान है, जिसे अध्यादेश के जरिए प्रतिबंधित किया गया है। मुंशी ने निचली अदालत और उच्च न्यायालय में दावा किया है कि उसने तलाक-ए-बिद्दत के तहत तलाक की कार्यवाही शुरू नहीं की है और जुलाई से सितंबर के बीच 'तलाक-ए-अहसन' के तहत पत्नी को तीन नोटिस भेजे हैं।

हिंदी में बोले राज ठाकरे: यूपी-बिहार के लोग अपने नेताओं से पूछें क्यों विकास में पिछड़ा है उनका राज्य

मुंबईः महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने संभवत: पहली बार हिंदी में एक रैली को संबोधित करते हुए यूपी और बिहार के प्रवासियों से कहा कि उन्हें अपने नेताओं से पूछना चाहिए कि उनके राज्य विकास में क्यों पिछड़ गए? उन्होंने कहा कि लोग अपने नेताओं से सवाल करने की बजाय रोजगार की तलाश में मुंबई चले आते हैं. ठाकरे रविवार को मुंबई में उत्तर भारतीय मंच की ओर से आयोजित एक रैली को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने बताया कि वह हिंदी में इसलिए बोल रहे है, ताकि उनकी बात ज्यादा लोग तक पहुंचे. बता दें, ठाकरे इससे पहले हमेशा अपनी रैली को मराठी में संबोधित करते रहे हैं, बहुत ही कम देखने को मिला है कि वे मीडिया से दूसरी भाषा में बात कर रहे हों. ठाकरे ने कहा, 'यूपी जैसे राज्य ने देश को कई प्रधानमंत्री दिए हैं, जिनमें मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (जो वाराणसी से सांसद हैं) भी शामिल हैं. आप में से कोई उनसे नहीं पूछता कि आपके राज्य औद्योगीकरण में क्यों पिछड़े हुए हैं और वहां रोजगार के अवसर क्यों नही हैं.' साथ ही उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि ये गरीब राज्य भी संपन्न हो जाएं. लेकिन लोग अपने नेताओं से सवाल पूछने की बजाए, मुंबई चले आते हैं. अगर बाहरी लोग स्थानीय लोगों के अधिकारों का हनन करेंगे तो विवाद पैदा होगा ही. मुंबई में ज्यादात्तर प्रवासी यूपी, बिहार और बांग्लादेश के हैं. मैं चाहता हूं कि अगर आप रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र आते हैं तो आपको स्थानीय भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए.' गुजरात में प्रवासी लोगों पर हमले की घटना पर ठाकरे ने कहा, 'अगर मेरा यूपी और बिहार के लोगों से विवाद होता है तो सभी लोग मुझ पर टूटकर पड़ जाते हैं. लेकिन गुजरात में बिहारी लोगों पर हमले के बाद किसी ने भी वहां की सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से (जिनका गृहराज्य गुजरात है) कोई सवाल नहीं पूछा. ऐसे ही विरोध असम और गोवा में देखने को मिले, लेकिन मीडिया ने उन्हें मुद्दा बनाया ही नहीं. लेकिन हमारे आंदोलन को हमेशा मसाले के साथ दिखाया जाता है.'

संक्षिप्त समाचार

ब्राह्मण आरक्षण की रिपोर्ट आयोग के पास भेजेंगे- पाटील

मुंबई : मराठा आरक्षण के मार्ग का रास्ता साफ होने के बाद ब्राह्मण समाज को भी आरक्षण दिया जाए। यह मांग गुजरात के बाद महाराष्ट्र में भी उठने लगी है। ब्राह्मण महासंघ के आनंद दवे ने ब्राह्मण समाज को जाति पर नहीं बल्कि आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की मांग की है। गुजरात के बाद महाराष्ट्र में ब्राह्मण समाज को आरक्षण की मांग पर राजस्व मंत्री चंद्रकांत दादा पाटील ने कहा कि ब्राह्मण आरक्षण रिपोर्ट ओबीसी आयोग के पास भेजी जाएगी। ग्रामीण भाग में रहनेवाले ब्राह्मण समाज के लोग आर्थिक रूप से पीछे हैं इसलिए राज्य ओबीसी आयोग ब्राह्मण समाज के आरक्षण पर विचार करे। ब्राह्मण समाज के लोग आर्थिक और सामाजिक स्थिति का आयोग सर्वेक्षण करें। अगर ब्राह्मण समाज पिछड़ा है, यह सिद्ध हो जाता है तो उनको आरक्षण देने की मांग दवे ने की है।

आग से सुरक्षा पर कार्यक्रम

मुंबईः महानगर और आस-पास आग की घटनाओं को देखते हुए ७ दिसंबर को २० डाउनटाउन बेंकट हॉल, इरोज थियेटर बिल्डिंग, चर्चगेट में फायर सेफ मुंबई कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में लोगों को आग से सुरक्षा की जानकारी दी जाएगी। यह कार्यक्रम मुंबई फायर डिपार्टमेंट और एआईपीसी महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। इस मौके पर चार बहादुर फायरकर्मियों को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंबई फायर ब्रिगेड के चीफ फायर ऑफिसर प्रभात रहांगदले होंगे। कार्यक्रम को पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा संबोधित करेंगे।

भाईंदर में श्रीमद्भागवत कथा

भाईंदरः विश्व शांति एवं मानव कल्याण के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। इसके लिए देवकी नंदन ठाकुर बुधवार को दोपहर ३ बजे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचेंगे। आयोजन समिति से जुड़े गजेंद्र भंडारी ने बताया कि एयरपोर्ट से ठाकुर दादर के सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन करेंगे। वहां से भाईंदर के लिए प्रस्थान करेंगे। बता दें कि ठाकुर के सानिध्य में ६ से १४ दिसंबर तक भाईंदर में श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की गई है। बाला साहेब ठाकरे मैदान, इंद्रलोक फेज-३ में होने जा रही इस कथा के निमित्त कलश यात्रा का आयोजन ६ दिसंबर को दोपहर २ बजे से हनुमान मंदिर, नवघर रोड, भाईंदर (पूर्व) से कथा स्थल तक किया जाएगा।

आखिर हो गया ट्रांसप्लांट

मुंबई : जेजे अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए हुए स्कैम के दो महीने बाद आखिरकार मरीज का ट्रांसप्लांट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, मरीज जमालुद्दीन खान को उनके एक करीबी रिश्तेदार ने अपनी किडनी दान की, जिसके बाद मंगलवार को एस. एल. रहेजा अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया। जे.जे. अस्पताल ऑर्गन विभाग और रहेजा अस्पताल के सोशल वर्कर के आपसी तालमेल से ट्रांसप्लांट के लिए मरीज से पैसों की मांग की गई थी, जिसकी जानकारी परिवार वालों ने एसीबी को दी थी। जमालुद्दीन के भाई जाकिर ने कहा कि ट्रांसप्लांट के बाद से मरीज की स्थिति स्थिर है।

भिवंडी में स्कूल में स्वागत समारोह

भिवंडीः डॉक्टर, लेखक एवं तिब्बिया कॉलेज बुरहानपुर के असोसिएट प्रो. डॉ. मजहर अंसारी ने रईस हाई स्कूल ऐंड जूनियर कॉलेज में आयोजित एक स्वागत समारोह में कहा कि यहां की बोलती दीवारें अनुकरणीय हैं। इस अवसर पर रईस कॉलेज के प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने प्रो. मजहर अंसारी का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व उप प्रधानाचार्य अब्दुल अजीज अंसारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हसीब जामयी, जूनियर कॉलेज के सुपरवाइजर असरार पठान सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

'पी वॉर्ड' में लगेगी विज्ञान प्रदर्शनी

मुंबईः मुंबई पश्चिम जोन शिक्षा विभाग की ओर से 'पी वॉर्ड' के कारमेल ऑफ सेंट जोसेफ स्कूल मालाड में ६ से ८ दिसंबर तक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। 'चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान' के अंतर्गत- कृषि एवं जैविक खेती, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, संसाधन प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, परिवहन एवं संचार तथा गणितीय प्रतिरूपण विषयों पर प्रदर्शनी आयोजित की गई है। लगभग २०० विद्यालयों के ३०० प्रॉजेक्ट प्रदर्शनी में शामिल होंगे।

फोटोग्राफर के पास से चरस जब्त

मुंबईः ऐंटि नार्कोटिक्स सेल की घाटकोपर यूनिट ने लीलामणी चुन्नी नामक आरोपी के पास से १ किलो ३०० ग्राम चरस जब्त की है। डीसीपी शिवदीप लांडे ने बताया कि जब्त चरस की कीमत ६ लाख ५० हजार रुपये है। इंस्पेक्टर शेलके की जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पेशे से फोटोग्राफर है। वह हिमाचल प्रदेश से यह चरस लाया था। उसे १० दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया पुलिस अधिकारी

मुंबई : ऐंटि करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को ट्रैप लगाकर वाकोला पुलिस में कार्यरत सहायक पुलिस निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी पुलिस अधिकारी का नाम पांडुरंग पिठे (३८) है। पिठे पर आरोप है कि उसने एक केस में हेरफेर करने के लिए शिकायतकर्ता से २० हजार रुपये की मांग की, जिसे देने में वह असमर्थ था। शिकायतकर्ता ने इसकी जानकारी एसीबी को दे दी, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर पुलिस अधिकारी को पैसे लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच वाकोला पुलिस कर रही है।

खुदकुशी या साजिश!

मुंबई : जोन ३ पुलिस के तहत ताडदेव स्थित ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन ऐंड रिहैबिलिटेशन (ध्ध्इर्श्) में पढ़ाई करने वाले २४ वर्षीय छात्र विनय की सोमवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विनय ने संस्थान के छात्रावास की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप)ने विनय की मौत को संदिग्ध बताते हुए इसकी सही दिशा में शीघ्र जांच कराने की प्रशासन एवं AIIPMR के निदेशक से मांग की है। अभाविप की प्रवक्ता वरदा मराठे ने AIIPMR के एक प्रफेसर पर विनय को खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी प्रफेसर विनय को परीक्षा में पास नहीं होने देगा, ऐसी धमकियां दी जा रही थी। इस वजह से वह डिप्रेशन में था और इसका जिक्र वह अपने कॉलेज में दोस्तों के साथ किया करता था।

सरकार दंगों की साजिश रच रही है : ठाकरे

मुंबई : मनसे की अध्यक्ष राज ठाकरे ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुसलमीन (एआईएमआईएम) की मदद से राम मंदिर के मुद्दे पर दंगों की साजिश रच रही है। उन्होंने कहा, 'मुझे दिल्ली से किसी ने फोन पर बताया कि केंद्र राम मंदिर के मुद्दे पर कुछ दंगों की साजिश रच रहा है और वह इसके लिए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की मदद चाह रहा है।' हालांकि ठाकरे ने दिल्ली से फोन करने वाले का नाम नहीं बताया। ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम के विधायक वारिस पठान ने कहा कि मुंबई पुलिस को ठाकरे को हिरासत में लेना चाहिए। अगर उनके पास इतनी महत्वपूर्ण जानकारी थी, तो उन्हें इसे पुलिस से साझा करना चाहिए था।

सार्वजनिक शौचालय में कभी भी हो सकता है हादसा -गंगाराम यादव

गंगाराम यादव

१२ दिसंबर को आमदार सुनील प्रभु केखिलाफ धरना

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : मुंबई मलाड पूर्व पठान वाडी स्थित रिलायंस एनर्जी के पास बना सार्वजनिक शौचालय कभी भी ध्वस्त हो सकता है ऐसी जानकारी वरिष्ठ समाज सेवक गंगाराम यादव ने एक प्रेस रिलीज के माध्यम से अवगत कराया है उन्होंने बताया है कि यह शौचालय काफी पुराना है जिसकी स्थिति बहुत ही नाजुक है बहुत टूटा फूटा बिखरा पड़ा हुआ है कोई भी व्यक्ति शौचालय में जाने से डरता है इस शौचालय के बारे में हमने और सार्वजनिक रूप से स्थानीय लोगों ने आमदार सुनील प्रभु से लिखित शिकायत किया है इसके बाद भी काम नहीं हुआ तो मजबूर कर हमने एक वेबसाइट न्यूज़ वाले के माध्यम से अपनी आवाज उठाई थी उस समय सुनील प्रभु साहब ने कहा था कि नवरात्रि के समय काम चालू हो जाएगा मगर काम नहीं चालू हुआ दीपावली बीत गई फिर भी काम नहीं चालू हुआ. हमने पुनः २७-११-२०१८ को एक लिखित शिकायत पत्र स्पीड पोस्ट के द्वारा सुनील प्रभु साहब को भेजा है कि जल्द से जल्द शौचालय बनाया जाए अन्यथा हम मजबूर होकर पूरी जनता के साथ जनहित कार्य के लिए शौचालय के पास धरना पर बैठ जाऊंगा। आगे श्री यादव ने यह भी बताया है कि यह शौचालय में इतनी ज्यादा मल मूत्र भर चुका है कि निकलने का रास्ता भी ब्लॉक हो चुका है जो कभी भी विस्फोट हो सकता है और विस्फोट के समय अगर उस शौचालय में कोई भी महिला पुरुष रहेगा, तो उसकी जान भी जा सकती है, जिसका जिम्मेदार आमदार सुनील प्रभु होंगे। इसीलिए मैं इस समस्या से अवगत कराते हुए आगाह करता हूं कि १५ दिन के अंदर शौचालय का काम उन्होंने नहीं चालू कराया तो मैं पूरी जनता को लेकर धरने पर बैठ जाऊंगा। गौरतलब है कि यह शौचालय पूर्व विधायक राजहंस सिंह ने बनवाया था उसके बाद से उस शौचालय के ऊपर किसी ने सही ढंग से ध्यान नहीं दिया और आज उसकी स्थिति इतनी नाजुक हो चुकी है कि अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो भारी हादसा हो सकता है गैस बनने के कारण टंकी भर सकती है उस समय शौचालय में रहने वाली महिला या पुरुष किसी की भी जाने जा सकती है ऐसी स्थिति में शासन और प्रशासन को विशेष ध्यान देने चाहिए उसको तत्काल शौचालय को तोड़कर पुनः बनवाना चाहिए जब मेट्रो दिनांक संवाददाता ने मोबाइल फोन के द्वारा स्थानीय विधायक सुनील प्रभु से संपर्क करके उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही मगर संपर्क नहीं हो सका.

बालाजी ज्वेलर्स का उद्घाटन शिवसेना नगरसेवक आत्माराम चाचे ने किया

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : मलाड पूर्व गांधीनगर गांधी नगर स्थित बालाजी ज्वेलर्स उद्घाटन वार्ड क्रमांक ३८ के शिवसेना नगर सेवक आत्माराम चाचे के करकमलों द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर मेट्रो दिनांक के प्रधान संपादक दीनानाथ तिवारी शिवसेना शाखा प्रमुख विजय गावड़े अलावा शिवसेना के पदाधिकारी राजू सावरकर रवि पवार संतोष पंगेरकर के अलावा भारी संख्या में स्थानीय रहीवासियों के अलावा व्यापारी गण उपस्थित थे बालाजी ज्वैलर्स के मालिक जगदीश प्रजापति सुरेश कुमावत आए हुए अतिथियों को पुष्पगुच्छ शाल, श्रीफल देकर सम्मान किया कार्यक्रम को सफल बनाने में शंभूलाल कुमावत, नाथूलाल कुमावत ने अहम भूमिका निभाई। भारी संख्या में उपस्थित अतिथियों सहित स्थानीय रहिवासियों को अल्पाहार कराकर उनकी विदाई की.

सोच से सोच की लड़ाई

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : बांद्रा बैंडस्टैंड ताज . होटल के . पास एमपी थियेटर में सोच से सोच की लड़ाई नामक कार्यक्रम का सफल आयोजन मुंबई यूथ कांग्रेस के महासचिव जीशान बाबा सिद्धकी के द्वारा किया गया इस मौके पर प्रमुख अतिथि कृष्णा अल्लावरु . एआईसीसी प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी मुंबई के पूर्व गृह राज्य मंत्री पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कृपाशंकर सिंह महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष सत्यजीत दादा तांबे . संजय झा मनीष चौधरी हेमंत उगले ने अपना सोच से सोच की लड़ाई में विचार रखा जिसमें हजारों नौजवानों ने भाग लिया इस मौके पर श्री कृष्णा. अल्लावरू ने देश की हालात पर जिक्र करते हुए कहा कि आज देश आर्थिक मंदी से गुजर रहा है यह सरकार क्या कर रही है क्या करने वाली है इसका भी आम जनता में. भय बना हुआ है नोट बंदी से देश की आर्थिक कमर टूटी है लाखों उद्योग धंधे बंद पड़ गए हैं जिससे कि कई लाख गरीब बेरोजगार हुए हैं लेकिन सरकार को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है देश लेवल पर कोई भी बड़ा कार्य हो रहा है यह सरकार उसका ठेका प्राइवेट कंपनियों को देख कर मलाई चूस रही है अनिल अंबानी मुकेश अंबानी अदानी के अलावा इन्हें देश में कोई भी प्राइवेट कंपनी नहीं दिख रही है जो कंपनियां हमारे देश के लिए आज ७० सालों से कार्य करती आ रहे हैं आज उनसे सारे टिंडर छीनकर केवल अडानी और अंबानी को दिए जा रहे हैं आज देश की हालत अच्छी नहीं है भारत का प्रधानमंत्री झूठ पर झूठ बोले जा रहा है आने वाले २०१९ में देश के गरीब नव जवानों को सोचना होगा वरना देश तबाह हो जाएगा ऐसा अपने वक्तव्य में श्री कृष्णा ने कहा इस मौके पर प्रियंका चतुर्वेदी ने वर्तमान सरकार के ऊपर खूब हमला बोला और उन्होंने भी कई उदाहरण दिए जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आज देश में हर जगह महिलाएं असुरक्षित अपने को महसूस कर रहे हैं बेटियों का बलात्कार हो रहा है जीएसटी नोटबंदी राफेल घोटाला ऐसे कई मुद्दों को उन्होंने मीडिया के सामने उठाया और और सरकार के ऊपर हमला बोला उन्होंने मोदी का तुलना हिटलर से किया इस कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने एक एक कर सरकार के ऊपर हमला बोला और सरकार की गलत नीतियों को जनता के सामने रखा और आने वाले २०१९ में इस सरकार को उखाड़ फेंकने की देश से मौजूद हजारों की संख्या में नौजवानों से अपील किया सभी ने इस कार्यक्रम के आयोजक जीशान सिद्दीकी को ऐसा कार्यक्रम सोच से सोच की लड़ाई रखने पर बधाई दी.

मालाड में संविधान गौरव दिवस मनाया गया

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : मलाड पश्चिम स्थित रेलवे स्टेशन के पास हनुमान मंदिर के सामने रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर मुंबई जिला की तरफ से संविधान गौरव दिवस मनाया गया इस गौरव दिवस पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था इस कार्यक्रम के आयोजक रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया उत्तर मुंबई जिला के अध्यक्ष हरिहर यादव के नेतृत्व यह कार्यक्रम संपन्न हुआ इस मौके पर पत्रकार सूरजीत दुग्गल ने आए हुए अतिथियों अलका कर्ताओं का आभार माना उत्तर मुंबई जिला गाड़ी उत्तर जिला के उपाध्यक्ष जगदीश यादव आरपीआई उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव वार्ड क्रमांक ४५ के अध्यक्ष निलेश यादव के अलावा बाबू भाई सूर्य प्रताप मौर्य शक्तिमान ए महेंद्र राजभर विलास मंत्री अशोक भाई के अलावा भारी संख्या में आरपीआई के महिला पुरुष सभी पदाधिकारी हजारों की संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय हरिहर यादव ने कहा है कि देश के संविधान के रचयिता डॉ बाबासाहेब आंबेडकर ने जिस तरह से कानून बनाया आज उसी कानून के दायरे में पूरा भारत वर्ष पर फुल रहा है हम आज संविधान गौरव दिवस पर सभी देशवासियों को शुभेच्छा देते हुए यही कहूंगा कि भारत की रक्षा के लिए संविधान की रक्षा के लिए आप सब एकजुट होकर के देश और संविधान की रक्षा करें यही आज के लिए सबसे बड़ा तोहफा और गौरव दिवस का सम्मान है.

कांदिवली पश्चिम स्थित बाबासाहेब...

(पृष्ठ १ का शेष)

शेट्टी के नेतृत्वगुण और अन्य विशेषताओं के वजहसे उन्हें भाजप में शामिल होने कि बात कहीं गयी थी. एक आम कार्यकर्ता से सांसद बनने तक कि असामान्य पारी शेट्टी खेल चुके है. उन्ही कि संकल्पना से रुग्णालय के प्रांगण में डा. बाबासाहब आंबेडकर कि आदमकद मूर्ति निर्माण हुई इसलिए मैं उन्हें बधाई देता हूं'

भाजप मुंबई अध्यक्ष और विधायक आशिष शेलार ने कहा, ' पंडित नेहरू को सन १९५५ में भारतरत्न इस सर्वोच्च नागरी सन्मान से नवाजा गया था. डा. बाबासाहब ने देश के लिए जो योगदान प्रदान किया है वह महान है, किंतु उन्हें १९९० में यह पुरस्कार प्रदान किया गया. आंबेडकर जी को पुरस्कार देने में इतना लंबा अवकाश क्यो यह सवाल शेलार ने उपस्थित किया. सांसद गोपाल शेट्टी के परिश्रम से ही डा. बाबासाहब आंबेडकर का पूतला निर्माण हुआ है. डा. बाबासाहब आंबेडकर का यह पूतला दहिसर से बान्द्रा तक एकमेव पूतला साबीत हुआ है.'

सभा में उत्तर मुंबई भाजपा के जिलाध्यक्ष विनोद, विधायिका मनीषा चौधरी, विधायक विजय (भाई) गिरकर, मुंबई के महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर, विधायक अतुल भातखलकर, विधायक योगेश सागर, विधायक प्रवीण दरेकर, उत्तर मुंबई भाजप जिलाध्यक्ष विनोद शेलार, महापालिका उपायुक्त अशोक खैरे, सहाय्यक आयुक्त आर/ दक्षिण संजय कु-हाडे विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com